आज का पुरुषार्थ 20 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज एक धारणा को पक्का कर ले ... मैं सुखदाता का बच्चा हूँ .. मैं बहुत सुखी हूँ "*

सुखों का सागर हमारे लिए सुखों की सौगात लेकर आया है। हम सुखदाता के बच्चे है तो सम्पूर्ण सुखों पर भी हमारा अधिकार है।

हम रोज़ उठते ही याद किया करे ...

" मैं बहुत सुखी हूँ .. बहुत सुखी हूँ .. मेरे दुःखों के दिन समाप्त हो गये है .. स्वयं भगवान सुख बाँटने के लिए मेरे पास आये हुए है .....

तो मुझे सुख भरा जीवन जीना है .. दुःख की छाया से .. दुःखों की स्पर्श से हमें मुक्त रहना है "

दुःखों की बातें तो आते ही है। **देह** में रोग-शोक भी आते है। **परिवारों** में भी समस्यायें भी आती है। और सबसे बड़ी बात ..

कोई आपका बार-बार **अपमान** करता है, कोई आपको कष्ट पहुँचाता है, कोई आपको धोखा देता है, अपनों से आपको अपनापन नहीं मिलता। धोखा मिलता है, तो दुःख तो होगा ही।

परन्तु हम सुख स्वरुप है .. हम दुःख हर्ता है .. हम भगवान के बच्चे है

इस स्मृति से हमें अपने को बहुत सुखी बनाकर रखना है।

और याद रखना है, जो लम्बा काल स्वयं को **ईश्वरीय सुखों से भरेंगे**, जो सुखी रहेंगे वह दुसरों के दुःख हर्ता बन जायेंगे।

एक बहुत बड़ा चैलेंज हमारे सामने आता जा रहा है। विनाश की लम्बी चौड़ी प्रक्रिया से हम सबको गुजरना है। तो विभिन्न परिस्थितियों में हम दुःख से मुक्त रहे। **और दुःखी आत्माओं को निरंतर मदद करते चले।**

तो सवेरे उठकर स्वयं को ईश्वरीय सुखों से भरपूर करे। प्रभु मिलन का सुख प्राप्त करे। फिर ईश्वरीय महावाक्य का सुख प्राप्त करे। बाबा से रूहरिहान करे। और सुखी जीवन जीने की कला सीख लें।

जैसे कि ...

" सरलता, मुस्कुराते रहना, हमेशा पाजिटिव रहना, दुसरों को सुख देते हुए चलना और सबके प्रति अपने दृष्टिकोण को श्रेष्ठ रखना "

इनसे हमारा जीवन सदा सुखों के, खुशियों के झूले में झूलता रहेगा।

तो बाबा तो हमारे लिए खुशियों का झूला लेकर आया है उसकी गोंद का झूला मी हमारे लिए बहुत सुखद है।

" यदि हम छोटे बच्चे बन जाये और बाबा की गोंद में झूलने लगे ... तो इससे बड़ा सुख तो चारों युगों में कुछ भी नहीं होगा।

तो आइये आज हम छोटे बन जाये। हम जो बड़े बन गये है, बहुत **जिम्मेवारीयों** का बोझ अपने ऊपर ले लिया है उसको उतार कर बाबा के गोद में आ जाये।

छोटे बच्चे बन जाये। **जैसे छोटे बच्चों को कोई चिंता नहीं होती।** उनका जीवन बिल्कुल निश्चिंत होता है। उसके चिन्ता माँ-बाप करे। वो क्यूँ करे ... सबको इसका अनुभव है।

तो हम भी बाबा के हाथों में स्वयं को सौंप दे और निश्चिंत जीवन जीये। भविष्य ऐसा सुन्दर हमें मिलने जा रहा है जो **दो युगों** तक हमें कमाई की कोई चिंता नहीं होगी। हम बेफिक्र बादशाह बन जाते है।

लेकिन इसके पहले यही पर हम **बेफिक्र बादशाह** बन जाये। बादशाह की तरह संसार में जीये। और याद रखें ....

जो कुछ हो रहा है वही सत्य है। जो कुछ हो रहा है वह तो हमने करोड़ों बार देखा है।

तो जैसे बाबा साक्षी है, बहुत हल्का है। क्योंकि कुछ भी नया नहीं हो रहा है। वैसे ही हमें भी ड्रामा के ज्ञान को यूज़ करके बहुत हल्के रहना है।

तो आज सारा दिन हम इस स्मृति में रहेंगे ...

" जो कुछ हो रहा है .. जो कुछ हम देख रहे है .. वह तो हम करोड़ों बार देखा है .. नाथिंग न्यूं "

और इस संकल्प से हम बहुत हल्के रहकर साक्षी भाव में आ जायेंगे। और अपने जीवन को आनन्द से, सुखों से भरपूर करेंगे।

तो आज सारा दिन बार-बार याद करेंगे ...

" **मैं बहुत सुखी हूँ बाबा** " .. आपको पाकर हम बहुत सुखी हो गये .. आपको कोटि कोटि कोटि बार शुक्रिया "

और देखेंगे ऊपर ...

" बाबा मुस्कुरा रहे है और दृष्टि दे रहे है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org